



लखनऊ विवि अब मध्यस्थ छात्रों ने जाना इंप्रेसिव बनकर झगड़े भी सुलझाएगा

विश्वविद्यालय में मीडिएशन सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय विधि की पढ़ाई के साथ ही बार काउंसिल ऑफ इंडिया की गाइडलाइन के तहत परिसर में विधिक सहायता केंद्र संचालित करता है। बहुत जल्द विवि का विधि संकाय विधिक सहायता देने के साथ ही अदालत से बाहर विवादों का निपटारा करता भी नजर आएगा। विधि संकाय की ओर से इसकी प्रक्रिया शुरू की गई है। सैद्धांतिक रूप से इसकी सहमति बन चुकी है। उम्मीद है कि जल्द ही यह व्यवस्था व्यवहार में आ जाएगी। ऐसा होने पर ललिवि प्रदेश पहला ऐसा शिक्षण संस्थान बन जाएगा, जहां मध्यस्थता केंद्र स्थापित होगा।

विधि संकाय के वरिष्ठ शिक्षक ने बताया कि अदालतों में काफी केस साल दर साल चलते रहते हैं। फौजदारी मामलों में मध्यस्थता के मामले नहीं होते हैं, लेकिन दीवानी केस में इसकी संभावना काफी अधिक रहती है। इसीलिए न्यायालयों में मध्यस्थता केंद्र स्थापित हैं। इनका मकसद मुकदमों की संख्या कम



करके लोगों के साथ ही न्यायालय का समय बचाना तथा लोगों को सही समाधान भी उपलब्ध कराना होता है।

मध्यस्थता केंद्र न्यायालय से अलग ललिवि जैसे शिक्षण संस्थान में होने पर लोगों की पहुंच में होंगे। इसी को देखते हुए ललिवि प्रशासन ने मध्यस्थता केंद्र की प्रक्रिया के लिए पत्र व्यवहार किया था। इस पर सकारात्मक रुख मिलने के बाद प्रारंभिक स्तर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। ललिवि से पहले डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में करीब 15 साल पहले मध्यस्थता केंद्र शुरू करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। उस समय इसके लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण

मध्यस्थता और विधिक सहायता केंद्र में अंतर को समझें

विधि संकाय के डीन प्रो. बीबी सिंह ने बताया कि मध्यस्थता केंद्र और विधिक सहायता केंद्र में काफी अंतर है। विधिक सहायता केंद्र में लोगों को निशुल्क कानूनी सलाह दी जाती है। वहीं, मध्यस्थता केंद्र में किसी प्रकार की सलाह नहीं दी जाती है। इसमें दोनों पक्षों को आमने-सामने बिठाकर या अलग-अलग बात कर केस के बारे में उनकी मंशा जानी जाती है। इसमें हर पक्ष अपनी बात रखता है तथा क्या चाहता है, बताता है। बारी-बारी से बात करने पर एक बिंदु पर आकर उनकी सहमति बन जाने की स्थिति में उसे गवाहों की मौजूदगी में लिखा जाता है। एक बार हस्ताक्षर करने के बाद दोनों पक्ष उस समझौते को मानने के लिए बाध्य होते हैं।

भी हुआ था, लेकिन बाद में मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। अब ललिवि ने इसको आगे बढ़ाया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (8 May): लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में सोमवार को अनवरत फाउंडेशन और लिंकडइन सोशल इम्पैक्ट के सहयोग से कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छात्रों, पेशेवरों और उद्यमियों को अपने करियर के लक्ष्यों को हासिल करने और सामाजिक प्रभाव बनाने के लिए लिंकडइन का प्रभावी उपयोग करना सिखाना गया।

कैसे खोजें नौकरी

मुख्य वक्ता लिंकडइन सैन फ्रांसिस्को

चमकाए जाएंगे हॉस्टल

लखनऊ विश्वविद्यालय में तीन से सात जनवरी तक होने वाले 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इसमें करीब 20 हजार लोगों के आने की उम्मीद है।

से साफ्टवेयर इंजीनियर गौरव श्रीवास्तव ने मजबूत प्रोफाइल तैयार करने, नेटवर्किंग रणनीतियों और नौकरी खोज के टिप्स पर विस्तार से बात की। अनवरत फाउंडेशन के मानस मोहन ने विकास क्षेत्र में लिंकडइन के व्यावहारिक उपयोगों के बारे में बताया। इस अवसर पर कला फैकल्टी के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी और सामाजिक कार्य विभाग के हेड प्रो. अनूप कुमार भारतीय उपस्थित रहे।

छात्रा ने जीते दो स्वर्ण पदक

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) में बीबीए (कोर) की छात्रा सारा कुमार ने राष्ट्रीय कुबोडो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते। यह प्रतियोगिता छह और सात मई को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित की गई थी। एल्यू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने छात्रा को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

...तो इस बार सिर्फ तीन दिन ही चलेगी विज्ञान कांग्रेस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष 2024 में प्रस्तावित भारतीय विज्ञान कांग्रेस के कार्यक्रम में फेरबदल होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक पांच दिनों के इस आयोजन को अब तीन दिन किए जाने की तैयारी है। सरकार के स्तर पर विज्ञान कांग्रेस का समय घटाए जाने की बात कही जा रही है। इसके पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। हर वर्ष तीन से सात जनवरी के बीच होने वाले इस आयोजन को इस बार तीन से पांच जनवरी तक ही कराने को कहा जा रहा है।

कोलकाता से प्रजेंटेशन देकर लौटी टीम

विज्ञान कांग्रेस के सफल आयोजन के लिए ललिवि से कोलकाता गई तीन सदस्यीय टीम सोमवार को लौट आई। टीम में शामिल आयोजन सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी, डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन और प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने दो दिनों तक चली मीटिंग में विज्ञान कांग्रेस कार्यकारिणी के सम्मने आयोजन से संबंधित तैयारियों का प्रजेंटेशन दिया। कार्यकारिणी ने जरूरी सुझावों के साथ विवि के इंतजामों पर संतोष जताते हुए आगे की तैयारियां जारी रखने के निर्देश दिए। (संवाद)

VoL PAGE 6

तैयारियों का विवरण काउंसिल के समक्ष किया प्रस्तुत

● भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन के मुख्यालय पर पहुंची ललिवि टीम

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन का आयोजन आगामी 3-7 जनवरी को होना है। इस क्रम में सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय से तीन सदस्यीय दल बैठक में प्रतिभाग करने के लिए भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन के मुख्यालय कोलकाता गया था। इस दल में आयोजन सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी, स्थानीय सचिव प्रो. पूनम टंडन और प्रो. गीतांजलि मिश्रा सम्मिलित थे।

इस दल ने लखनऊ विश्वविद्यालय की तैयारियों के विवरण को भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन के मुख्यालय में उनके काउंसिल के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसका प्रस्तुतिकरण प्रो. गीतांजलि मिश्रा, स्थानीय सचिव द्वारा किया गया। इस बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं और लखनऊ शहर में उपलब्ध आवासीय व्यवस्था का विवरण प्रस्तुत किया गया। आयोजन की उत्तरोत्तर प्रगति और तैयारी क्या होगी? इस पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

PIONEER PAGE 3

बीबीए की छात्रा को मिले दो गोल्ड मेडल



पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय की सारा कुमार बीबीए (कोर) की छात्रा ने राष्ट्रीय कुबोडो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते। यह प्रतियोगिता 6 व 7 मई

को केडी सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व ओएसडी प्रोफेसर विनीता काचर ने सारा कुमार को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

साइंस कांग्रेस के मुख्यालय में एल्यू की टीम ने दिया प्रजेंटेशन

लखनऊ। 3 से 5 जनवरी 2024 में प्रस्तावित साइंस कांग्रेस सम्मेलन को लेकर कोलकाता गई लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम ने तैयारियों को लेकर सोमवार को साइंस कांग्रेस के मुख्यालय में तैयारियों को लेकर प्रजेंटेशन दिया। टीम में विवि से प्रो. एस पी त्रिवेदी, आयोजन सचिव प्रो. पूनम टंडन स्थानीय सचिव और प्रो. गीतांजलि मिश्रा स्थानीय सचिव शामिल हैं। इस दल ने लखनऊ विश्वविद्यालय की तैयारियों के विवरण को भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन के मुख्यालय में उनके काउंसिल के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसका प्रस्तुतिकरण प्रो. गीतांजलि मिश्रा, स्थानीय सचिव द्वारा किया गया। बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं और लखनऊ शहर में उपलब्ध आवासीय व्यवस्था का विवरण प्रस्तुत किया गया। आयोजन की उत्तरोत्तर प्रगति और तैयारी क्या होगी, इस पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

विज्ञान कांग्रेस के लिए चमकाए जाएंगे छात्रावास

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में आगामी तीन से सात जनवरी तक होने वाले 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इसमें करीब 20 हजार लोगों के आने की उम्मीद है। इनमें से तीन हजार लोगों को इन छात्रावासों में ठहराने की व्यवस्था की जाएगी। ऐसे में छात्रावासों को सभी सुविधाओं से लैस किया जाएगा। हबीबुल्लाह और महमूदाबाद छात्रावास में रंगाई-पुताई शुरू करा दी गई है।

लवि के दोनों कैम्पस मिलाकर 17 छात्रावास संचालित हैं। एक नया गंगा छात्रावास भी बनकर तैयार है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस में इन सभी को मिलाकर करीब तीन हजार लोगों के ठहराने की व्यवस्था की जाएगी। इसलिए अभी से छात्रावासों की कमियों को दूर करने, उन्हें चमकाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। हबीबुल्लाह छात्रावास, महमूदाबाद छात्रावास में रंगाई-पुताई भी चालू करा दी गई है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि सभी छात्रावास के प्रोवोस्ट से प्रस्ताव मांगा गया है कि उनके यहां जो कार्य होने हैं।



हबीबुल्लाह हास्टल में रंगाई-पुताई करते मजदूर ● सौजन्य : लवि

ज्यादातर की सूचना आ गई है।

विज्ञान कांग्रेस की बताई तैयारियां : भारतीय विज्ञान कांग्रेस की तैयारियों को लेकर तीन सदस्यीय दल संगठन के कोलकाता स्थित मुख्यालय में प्रस्तुतिकरण करके सोमवार को वापस आ गया। इसमें आयोजन सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी, स्थानीय सचिव प्रो. पूनम टंडन और प्रो. गीतांजलि मिश्रा शामिल रहें। बैठक में दल ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आधारभूत सुविधाओं और लखनऊ शहर में उपलब्ध आवासीय व्यवस्था का विवरण प्रस्तुत किया। आयोजन की उत्तरोत्तर प्रगति और तैयारी क्या होगी? इस पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

लवि व डिग्री कालेजों में चार जून से छुट्टी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां घोषित कर दी गईं। चार जून से 16 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। इस दौरान कार्यालय यथावत खुले रहेंगे। परीक्षा एवं प्रवेश के कार्य भी जारी रहेंगे। कुलपति के आदेश के बाद कुलसचिव संजय मेधावी ने सोमवार को इस संबंध में पत्र जारी कर दिया। लवि के संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों से लेकर कालेजों के प्राचार्यों को भेजे आदेश में कहा गया है कि उनका दायित्व होगा कि वह संचालित सभी पाठ्यक्रमों को पूरा कराना सुनिश्चित करें। ग्रीष्मावकाश अवधि में प्रशासनिक, प्रवेश एवं परीक्षा संबंधी कार्यों में लगे शिक्षकों को नियमानुसार प्रतिकर अवकाश भी देय होगा। गौरतलब है कि लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालय शिक्षक संघ (लुआक्ट) ने हाल ही में ज्ञापन देकर ग्रीष्म कालीन अवकाश घोषित करने की मांग की थी।

लवि के डा. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक अफेयर्स में 'नैद एवं युवा' पर व्याख्यान श्रृंखला के पहले सत्र का आयोजन किया गया। केजीएमयू के फिजियोलॉजी विभाग

एल्यू की सारा ने जीते दो स्वर्ण पदक

लखनऊ। एल्यू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज की छात्रा सारा कुमार ने दो स्वर्ण पदक जीते हैं। बीबीए (कोर) की छात्रा ने राष्ट्रीय कुबोडो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते। यह प्रतियोगिता 6 व 7 मई को केडी सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में आयोजित की गई थी।

कुलपति ओर ओएसडी ने सारा कुमार को बधाई दी: मल्टीपरपज हाल में हुई पहली नेशनल कोबुडो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में छात्रा सारा ने शानदार प्रदर्शन किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने सारा कुमार को बधाई दी।



सारा कुमार को ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने छात्रा को बधाई दी। सी. से लवि छात्रा ने जीते दो स्वर्ण पदक लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) में बीबीए (कोर) की छात्रा सारा कुमार ने राष्ट्रीय कुबोडो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते। यह प्रतियोगिता छह और सात मई को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित की गई थी। लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने छात्रा को बधाई दी। (जासं)

के हेड डा. नरसिंह वर्मा ने बताया कि युवाओं को पयों अच्छी नैद लेनी चाहिए। अच्छी नैद के फायदे व कम नैद के दुष्प्रभावों क्या हैं। विद्यार्थियों ने जिज्ञासा पूर्वक प्रश्न भी किए व नैद को अच्छ करने के उपाय भी जाने।